बसन्त पंचमी – 5 फरवरी 2022

सरस्वती ज्ञान दीक्षा

बसन्त पंचमी 5 फरवरी 2022 अथवा किसी भी शुभ मुहूर्त में आप स्वयं और अपने परिवार के अन्य सदस्यों विशेष रूप से बच्चों को गुरुदेव से सरस्वती दीक्षा अवश्य प्रदान करावें।

साधक को अपने सम्पूर्ण जीवन में चाहे वह बाल्यकाल हो अथवा वृद्धावस्था, नियमित रूप से सरस्वती ज्ञान दीक्षा अवश्य प्राप्त करनी चाहिए। ज्ञान ही वह आधार है, जिस पर धन रूपी वृक्ष फलता-फूलता है। सरस्वती के साधक का चहुंमुखी विकास होता है।

- ☆ सरस्वती ज्ञान दीक्षा से चित्त की चंचलता, उद्वेग, द्वंद्व समाप्त होते हैं।
- ☆ सरस्वती ज्ञान दीक्षा से मानसिक शक्ति, बौद्धिक शक्ति का विकास होता है।
- ☆ सरस्वती ज्ञान दीक्षा और सरस्वती साधना से व्यक्ति बहुआयामी हो जाता है, व्यक्ति केवल एक पहलू पर विचार न कर सभी पहलुओं, दिशाओं में विचार करता है।
- ☆ सरस्वती दीक्षा-साधना से व्यक्ति स्वयं के ज्ञान और विवेक से कार्य करता है।
- ☆ सरस्वती ज्ञान दीक्षा से अनिद्रा, सिरदर्द, तनाव इत्यादि रोगों से मुक्ति प्राप्त होती है और चित् में शांति प्राप्त होती है।
- ☆ सरस्वती ज्ञान दीक्षा से स्मरण शक्ति तीव्र होती है।
- ☆ सरस्वती वाणी, विलास की अधिष्ठात्री देवी है। वाक् कला का विकास सरस्वती ज्ञान दीक्षा ग्रहण कर सरस्वती साधना से ही होता है।
- ☆ वाणी की मधुरता, मिठास श्रेष्ठ व्यक्ति के लक्षण हैं, ऐसे व्यक्ति के पास हर कोई बैठना चाहता है।
- ☆ जीवन में द्वंद्व आता रहता है, और विशेष रूप से मानसिक द्वंद्व तो सबके जीवन में है। किस समय कौन सा कार्य करें? कौन सा मार्ग उचित रहेगा? किस दिशा में प्रयास किया जाए? ऐसे पचासों द्वंद्व जीवन में नित्य प्रति आते रहते है।

  इन द्वंद्वों से ऊपर उठकर सही दिशा में कार्य करने की शक्ति सरस्वती साधना-दीक्षा से ही प्राप्त होती है।
- ☆ हर व्यक्ति को अपने जीवन में निरन्तर सीखने वाला अर्थात् विद्यार्थी बने रहना चाहिए। ज्ञान प्राप्ति की भूख निरन्तर रहनी चाहिए। सद्गुरु कृपा द्वारा प्राप्त सरस्वती ज्ञान दीक्षा से साधक को ज्ञान तत्व निरन्तर प्राप्त होता रहता है।

सरस्वती ज्ञान दीक्षा (प्रति चरण) न्यौ. 2100/-

सरस्वती की कृपा से ही जीवन में आध्यात्मिक और आर्थिक उन्नति प्राप्त होती है।